प्रेस विज्ञप्ति
21.09.2025

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), शिमला ने 19.09.2025 और 20.09.2025 को हिमाचल प्रदेश और दिल्ली स्थित मानविंदर सिंह, उनकी पत्नी सागरी सिंह और दिल्ली स्थित इंपीरियल ग्रुप से संबंधित संस्थाओं/व्यक्तियों के छह परिसरों में तलाशी अभियान चलाया। तलाशी अभियान विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 के प्रावधानों के तहत भारत के बाहर रखी गई अघोषित संपत्तियों, अघोषित विदेशी निवेशों और मानविंदर सिंह, उनकी पत्नी सागरी सिंह और इंपीरियल ग्रुप के तहत काम करने वाली कंपनियों के वित्तीय हितों से संबंधित जांच के संबंध में किया गया था। इंपीरियल ग्रुप एयरोस्पेस और रियल एस्टेट क्षेत्रों में अन्य क्षेत्रों में काम करने वाली कंपनियों का एक समूह है और इसके अध्यक्ष मानविंदर सिंह हैं। हिमाचल प्रदेश के नालदेहरा में स्थित ऑरमा वैली लक्जरी आवासीय परियोजना भी उपरोक्त समूह का हिस्सा है और इसका स्वामित्व मानविंदर सिंह के पास है।

ईडी ने मानविंदर सिंह, उनकी पत्नी सागरी सिंह और इंपीरियल ग्रुप के तहत संचालित कुछ कंपनियों के नाम पर विदेशों में स्थित कंपनियों में अघोषित विदेशी संपत्ति/अघोषित वित्तीय हितों की मौजूदगी से संबंधित खुफिया जानकारी के आधार पर मामले में जांच शुरू की।

ईडी द्वारा किए गए तलाशी अभियान के दौरान, मानविंदर सिंह के नाम पर विदेशों में स्थित अघोषित विदेशी वित्तीय हितों/संपत्तियों और अघोषित विदेशी बैंक खातों (विदेशी बैंक खाता पासबुक सहित) से संबंधित साक्ष्य जब्त किए गए हैं।

इसके अलावा, तलाशी अभियान के दौरान निम्नलिखित विदेशी संपत्तियों और विदेशी कंपनियों में हितों का भी पता चला है:

1) सिंगापुर स्थित एयरोस्टार वेंचर प्राइवेट लिमिटेड में अघोषित वित्तीय हित, जिसमें मानविंदर सिंह और सागरी सिंह दोनों ही लाभकारी मालिक हैं और मानविंदर सिंह एकमात्र निदेशक हैं।

2) दुबई स्थित यूनाइटेड एयरोस्पेस डीडब्ल्यूसी एलएलसी में अघोषित वित्तीय हित, जिसमें मानविंदर सिंह और सागरी सिंह दोनों ही लाभकारी मालिक हैं और मानविंदर सिंह एकमात्र निदेशक हैं। इसके अलावा, यह भी पता चला है कि यूनाइटेड एयरोस्पेस डीडब्ल्यूसी एलएलसी, दुबई का उपयोग करके लेन-देन का एक जटिल जाल बनाया गया है और मानविंदर सिंह, सागरी सिंह और संबंधित भारतीय संस्थाओं, जिनमें वे लाभकारी मालिक हैं, को करोड़ों रुपये के असुरक्षित ऋण दिए जा रहे हैं / करोड़ों रुपये के वेतन भुगतान किए जा रहे हैं। इसके अलावा, मई 2025 में यूनाइटेड एयरोस्पेस डीडब्ल्यूसी एलएलसी द्वारा एक अनाम हांगकांग स्थित संस्था से 7 करोड़ रुपये का असुरक्षित ऋण प्राप्त करके 7 करोड़ रुपये मूल्य का एक हेलीकॉप्टर (रॉबिन्सन 66) भी खरीदा गया। उक्त हेलीकॉप्टर को औरमा घाटी आवासीय परियोजना के निवासियों के लिए एक व्यवस्था के तहत भारत में आयात किया गया है, जिसके तहत इस भारतीय आवासीय परियोजना से लीज़ भुगतान दुबई स्थित यूनाइटेड एयरो स्पेस को वापस भेजा जा रहा है, जिससे इस दुबई स्थित संस्था में और भी अधिक अघोषित विदेशी संपत्तियाँ जमा हो रही हैं। इसके अलावा, तलाशी अभियान के दौरान यह भी पता चला है कि 31/3/2025 तक इस दुबई स्थित संस्था के पास 38 करोड़ रुपये की संपत्ति थी।

3) थाईलैंड के कोह समुई में स्थित "विला समायरा" के रूप में अघोषित विदेशी संपत्ति, जिसके लाभार्थी मालिक मानविंदर सिंह, सागरी सिंह और उनके परिवार के सदस्य हैं। यह पता चला है कि इस विला की कीमत आज की तारीख में 16 करोड़ रुपये से अधिक है।

4) ब्रिटिश वर्जिन द्वीप समूह में स्थित कंपनियों में अघोषित विदेशी संपत्ति/वित्तीय हित और सिंगापुर में अघोषित विदेशी बैंक खाते, जिनमें मानविंदर सिंह और सागरी सिंह दोनों लाभकारी मालिक हैं।

भारत के बाहर स्थित उपरोक्त अघोषित विदेशी संस्थाओं और अघोषित संपत्तियों से संबंधित जब्त वित्तीय विवरणों और जब्त किए गए रिकॉर्ड के अनुसार, यह अनुमान लगाया गया है कि सिंगापुर, दुबई, ब्रिटिश वर्जिन द्वीप समूह और थाईलैंड में स्थित इन अघोषित विदेशी वित्तीय संपत्तियों/हितों/बैंक खातों का मूल्य 80 करोड़ रुपये से अधिक है।

इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश के नालदेहरा में औरमा वैली आवासीय परियोजना के परिसर में की गई तलाशी के दौरान, यह भी पता चला कि उक्त आवासीय परियोजना में फ्लैटों की बिक्री का आंशिक मूल्य नकद में प्राप्त किया जा रहा है। उक्त परिसर में रखी जा रही समानांतर लेखा पुस्तकों के अनुसार, यह पता चला कि उपरोक्त तरीके से उक्त आवासीय परियोजना में पहले ही 29 करोड़ रुपये की नकदी प्राप्त हो चुकी है।

इसलिए, अब तक की गई जांच के अनुसार, मानविंदर सिंह/इंपीरियल समूह द्वारा अपनाई जा रही कार्यप्रणाली, रियल एस्टेट और/या इंपीरियल समूह की अन्य गतिविधियों के माध्यम से उत्पन्न नकदी को भारत के बाहर भेजने के लिए हवाला और/या अन्य साधनों के उपयोग की ओर इशारा करती है, जिसके बाद:

1) मानविंदर सिंह, सागरी सिंह, उनके परिवार के सदस्यों और इंपीरियल समूह के अंतर्गत संचालित भारतीय संस्थाओं के नाम पर भारत के बाहर अघोषित संपत्तियों की खरीद। ये संपत्तियाँ राजस्व उत्पन्न करती हैं, जिसके परिणामस्वरूप और भी अधिक अघोषित विदेशी संपत्तियाँ एकत्रित होती हैं।

2) मानविंदर सिंह, सागरी सिंह और इंपीरियल समूह के अंतर्गत आने वाली भारतीय संस्थाओं को विदेशी कंपनियों में अघोषित वित्तीय हितों के माध्यम से धन की राउंड ट्रिपिंग, जिनका नियंत्रण और प्रबंधन अंततः मानविंदर सिंह/सागर सिंह द्वारा किया जाता है।

तलाशी अभियान के दौरान जब्त की गई कुल नकदी भारतीय मुद्रा में लगभग 50 लाख रुपये (50,000 रुपये की नकदी सहित, जो पुराने 500 रुपये के नोटों में जब्त की गई थी) के अलावा 14,700 अमेरिकी डॉलर की विदेशी मुद्रा भी है। इसके अलावा, तलाशी अभियान के दौरान 3 लॉकर भी जब्त कर लिए गए हैं और मानविंदर सिंह, सागरी सिंह और इंपीरियल ग्रुप से संबंधित विभिन्न अपराध-संकेती रिकॉर्ड और डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए हैं।

आगे की जाँच जारी है।

<u>औरमा वैली लक्जरी आवासीय परियोजना, नालदेहरा, हिमाचल प्रदेश</u>

<u>विला समायरा, कोह समुई, थाईलैंड</u>

<u>हेलीकॉप्टर रॉबिन्सन 66 जिसका स्वामित्व यूनाइटेड एयरोस्पेस डीडब्ल्यूसी एलएलसी (दुबई) के पास है</u> ।